अखबार में फोटो देखने की थी इच्छा

कैंपस स्कूल के इतिहास में अंकों के मामले में बारहवीं कक्षा में अब तक का बेस्ट प्रदर्शन करने वाली मेहता

कालोनी निवासी स्वप्न ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में चौथा स्थान हासिल किया है। पिता देव असीजा और माता गुंजन असीजा दोनों बीए पास है। पिता देव शिक्षक नहीं बल्कि एक दुकानदार है। ऐसे में स्वप्न ने कक्षा की पढ़ाई के अलावा प्रतिदिन चार से पांच घंटे अलग से पढ़ाई की और देश में अपना सम्मान हासिल किया । कड़ी मेहनत के पीछे का कारण भी कोई आईएएस बनना नहीं था बल्कि समाचारपत्रों में हर साल दिखने वाली टॉपर की फोटो में एक दिन अपनी फोटो देखना था। जो सच कर दिखाया। अब कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की राह पर अग्रसर है।

शनिवार 28 मई, 2016

हिसार भास्कर

पहले गुड न्यूज

कैंपस स्कूल की छात्रा स्वप्न सम्मानित

हिसार | एचएयू कुलपति डॉ. केएस खोखर ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में 98.8 फीसदी (494/500) अंक प्राप्त करने पर कैंपस स्कूल की छात्रा स्वप्न को सम्मानित किया। छात्रा को स्कूल की ओर से 5100 रुपए का पुरस्कार दिया। स्वप्न ने इस परीक्षा में न केवल पूरे देश में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है अपितु अपने स्कूल के स्वर्णिम इतिहास में भी कीर्तिमान स्थापित किया है। इस मौके पर स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. एके गोयल तथा प्राचार्य सरला ग्रेवाल भी उपस्थित थे।

रह ह। मिलने की योजना बनाई। खाप प्रवक्ता

हिसार भास्कर 30.5.2016

रोल मॉडल

बेस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल से लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक रहे विद्यार्थी

कैंपस स्कूल से निकले विद्यार्थी बने राष्ट्रीय नेता व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

- एचएयू में 14 नवंबर 1971 को कैंपस स्कूल की स्थापना हुई थी
- सीबीएसई से 1972 में स्कूल को संबद्धता मिली थी

भास्कर न्यूज | हिसार

भले ही सफलता खुद की मेहनत के बल पर मिलती हो लेकिन एक शिक्षण संस्थान का माहौल विद्यार्थियों की सफलता में एक अहम रोल अदा करता है। यह सच कर दिखा रहा है हिसार का एक स्कूल। जिसमें देश की कई बड़ी हस्तियों ने शिक्षा ग्रहण कर देश का नाम विदेश में भी रोशन कर रहे है। यह मुकाम चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बना कैंपस स्कूल ने हासिल किया है। देश की बेस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल से लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक इस स्कूल के विद्यार्थी रहे है।

जैसे जैसे समय बीत रहा है हिसार का कैंपस स्कूल इतिहास के पन्नों में अपनी एक अलग अमिट छाप छोड़ रहा है। मौजूद वर्ष 2016 के बारहवीं के परीक्षा परिणाम में भी कैंपस स्कूल की एक छात्रा स्वप्न ने बारहवीं की परीक्षा में 494 अंक प्राप्त कर देश में चौथा स्थान हासिल किया है। वहीं साइना नेहवाल सहित हर उस विद्यार्थी की सफलता के साथ साथ स्कूल की सफलताओं का ग्राफ भी बढ़ रहा है।

ये है कैंपस की कहानी

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 14 नवंबर 1971 को कैंपस स्कूल की स्थापना हुई थी। पहली स्कूल प्रधानाचार्य एस वर्मा और वर्तमान में सरला ग्रेवाल है। एचएयू कुलपति केएस खोखर स्कूल चेयरमैन है। सीबीएसई से 1972 में स्कूल को संबद्धता मिली। 1983 में बारहवीं की कक्षा की शुरूआत हुई। वर्तमान में हिसार का कैंपस स्कूल नामी स्कूलों की सूची में शुमार है।

देश दुनिया में छाए कैंपस के ये विद्यार्थी

देश की राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विश्व में अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराने वाली साइना नेहवाल जिन्होंने सिंगल वूमेन बैडमिंटन में विश्व में पहला स्थान पाकर देश का नाम दुनिया में रोशन किया। कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद एवं विश्व के नामी उद्योगपतियों में स्थान पाने वाले नवीन जिंदल, हरियाणा पुलिस के एडीजीपी अरशिंद्र सिंह चावल, वर्ष 2015-16 में बारहवीं के परीक्षा परिणाम में छात्रा स्वप्न ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में चौथा स्थान हासिल किया वहीं स्कूल के इतिहास में सर्वाधिक अंक अपने नाम करने का कीर्तिमान हासिल किया। अनसुल यादव, रोहित सिंधू और संदीप डाबर ने आईएएस पास कर स्कूल को सम्मान दिलाया। यश टॉक ने फिल्मी दुनिया में नाम कमाया।

ये है स्कूल नियम

कैंपस स्कूल में 90 प्रतिशत सीटों पर एचएयू विश्वविद्यालय में कार्यरत टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के बच्चों का दाखिला होता है। 10 प्रतिशत सीटों पर एचएयू से बाहर के परिवारों के बच्चे दाखिला ले सकते है। स्कूल टाइम गर्मी में सुबह 7 बजे से 1.05 बजे और सर्दी में सुबह 8.30 से 2.20 तक है। स्कूल में 11वीं व 12वीं में मेडिकल, नॉन मेडिकल और कामर्स संकाय है।

विदेशों में भी है कैंपस का नाम

कैंपस स्कूल से पढ़ाई करने वाले बच्चों ने इंजीनियरिंग और मेडिकल के क्षेत्र में विदेश में नाम कमाया है। कैंपस के विद्यार्थी संजीव भलारा, श्वेता राणा, भारती अमेरिका, एकता खोखर जर्मनी, पुनीत ककड़ और अंजली नांदल सहित कई विद्यार्थी चिकित्सा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्यरत हैं। डॉ. कपिल जैन, डॉ. विक्रम जैन, डॉ. नीरज जैन, डॉ. रितु चौधरी डॉ. राजबीर राणा, डॉ. माधुरी जिंदल सहित कई चिकित्सा से जुड़े हैं। वहीं कनुप्रिया और काव्यांजलि ने पीएमटी में 20 वां और 58वां रैंक हासिल किया था।

स्टाफ की मेहनत ने बढ़ाया हौंसला

प्रधानाचार्य सरला ग्रेवाल ने स्कूल की कामयाबी के पीछे विद्यार्थियों की मेहनत बताते हुए कहा कि कामयाबी के पीछे स्कूल शिक्षकों की मेहनत है जिन्होंने अनुशासन में रहकर बच्चों को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया व उन्हें पढ़ाने में कड़ी मेहनत की।